

दुखड़े सुनाये अपने, मुखड़े, बदल बदल के ॥२॥
अपना बनाके लूटा, बातें बदल बदल के ॥२॥

७ आशों में इनके आँसू, लगा देरवके में खीने
खुद की खबर भुलाके, इनमें लगा में खोने ॥२॥
फिर खो गया इन्हीं में ॥२॥ खुद को, बदल बदल के ॥२॥

अपना बनाके ----- दुखड़े सुनाये -----
२ जब जब भँवर में अटके, लगे टूटने को मुझको
अपना ही मान बैठा अब क्या कहूँ में तुझको ॥२॥
ये पास मेरे आये, हँ ॥२॥ रस्ते बदल बदल के ॥२॥
अपना बनाके ----- दुखड़े सुनाये -----

३ जब काम बन गया तो, फिर सामने न आये
यादों में इनकी फिर तो, बदल गमों के धार ॥२॥
रहने लगा में तन्हा ॥२॥ मन को, बदल बदल के ॥२॥
अपना बनाके ----- दुखड़े सुनाये -----

४ देखा जो मैंने इनको, कई ठों में खोये
अपने गमों को मैंने, वस आँसूओं से धोये ॥२॥
ये रंग दिखाने लगे ॥२॥ अब तेवर बदल बदल के ॥२॥
अपना बनाके ----- दुखड़े सुनाये -----

५) जिनको सम्हाला मैंने, वो दूर जाके बैठे
जब पा लिया ठिकाना, पाकर के इतने ऐंठे ^{ssss} ॥२॥
मुझे देखने लगे अब ॥२॥ नज़ारे, बदल बदल के ^{ssss} ॥२॥
अपना बनाके - - - - - दुखड़े सुनाये - - - - -

६) मेरी सहज भावना को, नहीं जान पाये अपने
किया इनपे जो भरोसा, भूठे थे मेरे सपने ^{ssss} ॥२॥
हंसते रहे "श्री बाबा श्री" ॥२॥ यादें बदल बदल के ^{ssss} ॥२॥
अपना बनाके - - - - - दुखड़े सुनाये - - - - -